For more sample papers visit : www.4ono.com

BOMBAY SCOTTISH SCHOOL, POWAI
PRELIMINARY EXAMINATION (2014-2015)
HINDI

Std:- 10
Date: 20.01.15
Time: 3 hours

MM: 80
No. of Q's: 10
No. of Pg's:6

Answers to this paper must be written on the paper provided separately. This paper comprises of two sections; **Section A** and **Section B**. Attempt **all** questions from **SectionA** . Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least one question each from the two books you have studied and any two other questions. Please do not write anything on the QuestionPaper.

SECTION-A(40 Marks)
Attempt all questions

Question 1

Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics:

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग २५० शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए [१५]

(i) प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आरम्भ किए गए 'स्वच्छ भारत ' अभियान को सफल बनाने के लिए कुछ मशहूर हस्तियों का हाथ में झाड़ू लेकर फोटो खिंचवाने से ज्यादा आवश्यक है कि प्रत्येक नागरिक स्वच्छता के महत्त्व को समझे | इस बात से आप कहाँ तक सहमत हैं? निबंध रूप में अपने विचार प्रकट कीजिए व सुझाव दीजिए कि किसप्रकार लोगों को सफाई के प्रति जागरूक किया जाए ?

(ii) आपका एक विदेशी मित्र भारत आया था और आपने उसे अपने नगर में और आसपास घुमाया | लिखिए आप उसे कहाँ –कहाँ लेकर गए , क्या-क्या देखा और आपके मित्र को कौन सा स्थान सबसे ज्यादा पसंद आया और क्यों ?

(iii) कल्पना कीजिए आप अपने विद्यालय की पत्रिका के संपादक हैं | लिखिए इस पत्रिका का स्तर सुधारने , उसे रोचक व आकर्षक बनाने के लिए कौन-कौन से कदम उठाएंगे ?

(iv) आपने अक्सर देखा होगा कि मनुष्य अपने ही कर्मों का फल भोगता है | जो अच्छे कम करता है, उसे सुख और शांति मिलाती है जबकि बुरे काम करने वाले अथवा बुरे काम करने के लिए प्रेरित को दुःख और दंड मिलता है | " बोया पेड़ बबूल का, आम कहाँ से होय" उक्ति के आधार पर एक कहानी लिखिए|

(v) नीचेदिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और उसके आधार पर एक लेख या कहानी लिखिए,पर ध्यान रहे विषय का सीधा सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए:

4ono.com

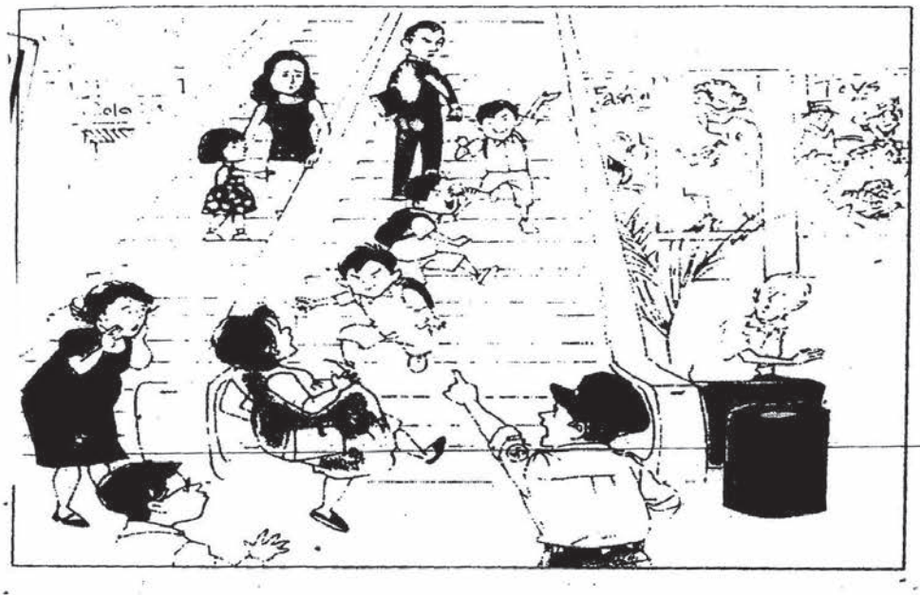

Question 2

Write a letter in Hindi in approximately 120 words on any one of the following topics:

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग १२० शब्दों में पत्र लिखिए : [७]

(i) आपके माता-पिता आपके किसी गलत आचरण पर आपसे नाराज़ हैं | उनसे क्षमा माँगते हुए अपने पिताजी को पत्र लिखिए |

(ii) गलती से आपने अपना मँहगा मोबाइल किसी रेस्टोरेंट में छोड़ दिया है, उस रेस्टोरेंट के प्रबंधक को पत्र लिखकर उस मोबाइल का पता लगवाने के लिए विनती कीजिए |

Question 3

Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow,using your words as far as possible.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे पूछे गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए | उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए | [10]

महापुरुषों के भावी जीवन की झलक प्राय: उनके बचपन में ही मिल जाती है | इसलिए कहा भी जाता है ,"होनहार बिरवान के होत चिकने पात"|

भारतवर्ष के उज्जवल अतीत के एक प्रसिद्ध आचार्य चाणक्य के नाम से कौन परिचित नहीं है ? उनके द्वारा रचित ग्रन्थ 'अर्थशास्त्र' की प्रशस्ति विश्वव्यापी है | उनके बचपन की एक घटना जानने लायक् है,जो हमारी आँखें खोलती है और प्रमाण देती है कि श्रेष्ठ पुरुषों का सामर्थ्य कैसा होता है? उस सामर्थ्य की प्राप्ति हेतु कितने साहस और त्याग की आवश्यकता होती है?

चाणक्य का असली नाम विष्णुगुप्त था| एक दिन बालक विष्णु खेलकर जब घर आया तो उसने देखा कि उसकी माँ बहुत उदास थी | उसने कारण जानना चाहा लेकिन माँ ने बात को टाल दिया|

4ono.com

मातृभक्त विष्णु चिंतित हो उठा और उसने माँ से उसकी चिंता का कारण बताने की जिद की | तब हार कर माँ ने कहा,"विष्णु ! मैं तेरे माथे की रेखाएँ देखकर जान गई हूँ कि तू एक दिन महान सम्राट बनेगा | यह बहुत प्रसन्नता की बात है, किन्तु मुझे इस बात की चिंता है कि सम्राट बनकर तू मुझे भूल जाएगा |" माँ की यह बात सुनकर वह मातृभक्त बालक हँस कर बोला, "ले तेरी यह चिंता मैं अभी दूर किए देता हूँ | तू तो जानती ही है कि किसी खंडित अंग वाले व्यक्ति को राजा नहीं बनाया जाता | देख, अब मैं क्या करता हूँ ?"

यह कहते हुए उसने समीप ही पड़े पत्थर को उठाया और उससे अपने आगे के दो दाँत तोड़ डाले | रक्त की मोटी फुहार फूट पड़ी | ममतामयी माँ का हृदय चीत्कार कर उठा| शीघ्रता से बच्चे के पास पहुंची और पीड़ा से भरकर बोली,"अरे मेरे लाल! तूने यह क्या किया ?"

बिना किसी वेदना का भाव लाए,माँ के पैरों में लिपटकर, हँसता हुआ,वह बोला ,"माँ! तू मेरे लिए संसार की समस्त संपदाओं से भी अधिक मूल्यवान है | तूझे भूलकर न तो मुझे राजा बनना है न ही तूझे छोडकर कहीं जाना है | तेरे ये प्रवित्र चरण ही मेरा महासाम्राज्य है|" माँ ने बेटे को छाती से लगा लिया | अपने इस सुपुत्र पर वह बलिहारी हो गई |

उसकी माँ ने उसका भविष्य गलत नहीं पढ़ा था | वही मातृभक्त बालक विष्णुगुप्त एक दिन महान कूटनीतिज्ञ चाणक्य बना| उसने सम्राटों के शीर्ष को सुशोभित करने वालास्वर्ण मुकुट तो नहीं पहना किन्तु उसके चरणों में चंद्रगुप्त मौर्य जैसे प्रतापी सम्राट सदैव नतमस्तक रहे |

प्रश्न -

(i) चाणक्य कौन थे ? संसार आज भी उन्हें क्यों याद करता है ? [२]

(ii) माँ की उदासी का क्या कारण था ? [२]

(iii) माँ की चिंता दूर करने के लिए बालक विष्णुगुप्त ने क्या किया? [२]

(iv) माँ के बारे में उसने क्या कहा ? [२]

(v) माँ की भविष्यवाणी कैसे सत्य साबित हुई ? [२]

Question 4

Answer the following according to the instructions given:-

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :-

(i) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के एक -एक समानार्थी शब्द लिखिए :- [१]

रक्त , त्याग , अंग , मस्तक |

(ii) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :- [१]

पवित्र , खंडित , राजा , सुपुत्र |

(iii) विशेषण बनाइए [१]

पीड़ा , पत्थर |

4ono.com

(iv) भाववाचक संज्ञा बनाइए :- [१]

मातृभक्त , महान।

(v) निम्नलिखित में से किसी एक मुहावरे का प्रयोग अपने वाक्य में कीजिए :- [१]

हृदय चीत्कार कर उठना ; आँखें खोलना ।

(vi) कोष्ठक में दिए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :- [३]

(अ) माँ ने बेटे को छाती से लगा लिया ।

(माँ के द्वारा ------ से वाक्य आरम्भ कीजिए)

(आ) सम्राट बनकर तू मुझे भूल जाएगा? (लिंग बदलिए)

(इ) उसकी माता ने उसका भविष्य गलत नहीं पढ़ा था । (भविष्यकाल में लिखिए)

SECTION B (40 Marks)

Attempt **any four** questions from this Section

एकांकीसुमन

Read the extracts given below and answer in Hindi the questions that follow:-

निम्नलिखित अवतरणों को पढ़कर उनके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :-

Question 5

" तुम हमारी लाचारियों को नहीं समझते बेटा ! नौकरी करना हमारी लाचारी है, मेरी भी, कला की भी । बढ़ती हुई महँगाई में हम दोनों न करें, तो यह घर नहीं चल सकता ।"

(i) प्रस्तुत कथन का संदर्भ स्पष्ट कीजिए । [२]

(ii) प्रस्तुत कथन पर श्रोता की प्रतिक्रिया व्यक्त कीजिए । [२]

(iii) "दिवाकर और कला की समस्या केवल उनकी समस्या नहीं है बल्कि हर नौकरी-पेशा माता-पिता की समस्या है ।" इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं? स्पष्ट कीजिए ।[३]

(iv) वक्ता की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। [३]

4ono.com

Question 6

"उनके प्रताप के सामने तुम्हारा प्रताप क्या है ? क्या जुगनुओं का प्रकाश कभी सूर्य की समानता कर सकता है और उस प्रकाश से क्या कभी कमलिनी खिल सकती है ?"

(i) यह वाक्य किसने, किससे कहा? यहाँ वक्ता द्वारा किसके प्रताप का वर्णन किया जा रहा है? [२]

(ii) जुगनू क्या होता है? जुगनू और सूर्य के माध्यम से वक्ता क्या स्पष्ट करना चाहता है? [2]

(iii) सूर्य और कमलिनी का क्या सम्बन्ध है?यहाँ इन शब्दों के प्रयोग से क्या तात्पर्य है? एकांकी के सन्दर्भ में समझाइए। [३]

(iv) यह बात कहाँ , कब और क्यों प्रारंभ हुई ? विस्तार से लिखिए। [३]

Question 7

"तुम जानते हो बच्चा , दुनिया-जहान का यहकायदा है| गिरे हुए मकान की नींव पर ही दूसरा मकान खड़ा होता है | रामप्रताप को ही देख लो |"

(i) 'बच्चा' कहकर किसे संबोधित किया गया है? वह वहाँ क्या कर रहा था ? [२]

(ii) "गिरे हुए मकान की नींव पर ही दूसरा मकान खड़ा होता है" | इस पंक्ति का अर्थ समझाइए और लिखिए कि किसा सन्दर्भ में यह बात कही गई ? [२]

(iii) रामप्रताप कौन है ? वक्ता ने उसकी तुलना किससे और क्यों की ? [३]

(iv) वक्ता का चरित्र-चित्रण कीजिए। [३]

काव्य -चंद्रिका

Question 8

सच्चा प्रेम वही है जिसकी , तृप्ति आत्म-बलि पर हो निर्भर |
त्याग बिना निष्प्राण प्रेम है,करो प्रेम पर प्राण निछावर |
देश-प्रेम वह पुण्य क्षेत्र है ,अमल असीम त्याग से विलसित |
आत्मा के विकास से जिसमें,मनुष्यता होती है विकसित|

(i) अर्थ लिखिए - तृप्ति , निष्प्राण , अमल , विकास। [२]

(ii) प्रस्तुत पद्यांश में कवि ने 'सच्चा -प्रेम' किसे कहा है ? समझाइए। [२]

(iii) देश-प्रेम क्या है? उससे मनुष्यता कैसे विकसित होती है? स्पष्ट कीजिए। [३]

(iv) क्या आप अपने देश से प्रेम करते हैं? अपने देश व देशवासियों के लिए आप क्या करना चाहते हैं? लिखिए। [३]

4ono.com

4ono.com

Question 9

कवि को बालक ने सिखलाया ,सुख-दुःख है पल भर की माया ,
है अनंत का तत्व प्रश्न यह , फिर क्या होगा उसके बाद ।

(i) अर्थ लिखिए - माया , अनंत , पल-भर , हर्ष । [२]

(ii) बालक ने कवि को क्या सिखलाया ? [२]

(iii) तत्व प्रश्न से क्या अभिप्राय है ? कविता के प्रसंग में समझाइए । [३]

(iv) बालक बार-बार क्या प्रश्न कर रहा था ? 'उसका यही प्रश्न आधुनिक विश्व का निर्माता है' कविता के आधार पर समझाइए । [३]

Question10

रात के उत्पात-भय से , भीत जन-जन , भीत कण-कण ।
किन्तु प्राची से उषा की , मोहिनी मुस्कान फिर-फिर ।
नीड़ का निर्माण फिर -फिर , सृष्टि का आह्वान फिर-फिर ।

(i) अर्थ लिखिए - उत्पात , प्राची , नीड़ , सृष्टि । [२]

(ii) प्रस्तुत कविता का प्रसंग लिखिए । [२]

(iii) 'रात के ---------- मुस्कान फिर-फिर' इन दो पंक्तियों की व्याख्या अपने शब्दों में लिखिए । [३]

(iv) प्रस्तुत कविता के कवि का परिचय देते हुए लिखिए कि इस कविता द्वारा कवि ने क्या सन्देश दिया है ? [३]

4ono.com